जिला-गंगानगर (राजस्थान) के महिला कृषक दल का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत अन्तःराज्यीय महिला कृषक भ्रमण कार्यक्रम के तहत जिला गंगानगर (राजस्थान) की 45 महिला कृषकों के दल ने भ्रमण प्रभारी एवं कृषि अधिकारी श्री सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में दिनांक 27 जनवरी, 2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। प्रारम्भ में दल ने संस्थान की प्रायौगिक पौधशाला का भ्रमण कर उच्च तकनीक पौधशाला के तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की । इन महिला कृषकों ने पौधशाला परिसर में स्थित औषधि उद्यान/जर्मप्लाज्म बैंक ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स (Germplasm Bank of Medicinal Plants) में रोपित औषधीय पौधों का अवलोकन किया। पौधाशाला प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा, अनुसंधान सहायक-द्वितीय ने पौधशाला तकनीक, धुंध कक्ष, कंपोस्ट तथा औषधीय पौधों इत्यादि से संबंधित जानकारी इस दल को उपलब्ध करायी।

इसके बाद इन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भ्रमणकारी दल को विभिन्न प्रयोगशालाओं में प्रतिपादित होने वाले वन अनुसंधान कार्यों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषक दल ने वृक्षों से संबंधित रोग, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता, ऊतक संवर्धन (Tissue culture) इत्यादि से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की । इन्होंने परिसर में स्थित चंदन (*Santalum album*), बादाम (*Terminalia catappa*), सागवान *(Tectona grandis),* जैसी प्रजातियों की भी जानकारी हासिल की ।

तत्पश्चात् महिला कृषकों के इस दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न प्रकार की शोध गतिविधियों, उपलब्धियों तथा तकनीकों से संबंधित सूचनाओं तथा सामग्री का अवलोकन किया। यहां श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का सुधार, नमक प्रभावित भूमि का सुधार, कृषि वानिकी इत्यादि की जानकारी दी। श्री चौधरी ने इस समूह को वृक्षों से प्राप्त होने वाले परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए इनकी महत्ता बतायी तथा पर्यावरण

संरक्षण से संबंधित जानकारी देते हुए खेती के साथ-साथ पेड़ों को पनपाने का आह्वान करते हुए कृषि वानिकी की आवश्यकता प्रतिपादित की।

उक्त भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीकी सहायक एवं श्री शैलेन्द्र सिंह, तकनीकी सहायक का सहयोग रहा ।

HABILITATION OF DEGRADED AREA OF ARAVALI THROUGH SOIL AND WATER CONSERVATION
SAND DU
EGRADED HILL (2005)
PREPARATION OF SITE
WATER HARVESTING STRUCTURES
SITE (2009-10)
PLANTATION
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), ओधपुर

PRODUCTIVITY ENHANCEMENT TECHNIQUES FOR SALT AFFECTED SOILS OF ARID RAJASTHAN AND GUJARAT
EXTENT OF SALT AFFECTED SOILS

गंगानगर की महिला कृषकों का आफरी भ्रमण

(कार्यालय संवाददाता)

जोधपुर, 28 जनवरी। जिला गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने कृषि अधिकारी सुभाष चन्द्र विश्नोई एवं कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी जोधपुर का भ्रमण किया।

आफरी निदेशक एन. के. वासु भावसे ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी भा.व.से ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी पौध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तक संवर्धन तकनीक, मृदा एवं जल की गुणवत्ता, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गयी। महिला कृषकों के इस दल को संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भी भ्रमण करवाया गया।

महिला किसानों के इस समूह ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी हासिल की। पौधशाला प्रभारी सादुलराम देवड़ा ;अनुसंधान सहायक द्वितीय ने दल को औषधीय पौधों के जर्म-प्लाज्म सहित पौधशाला संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी। भ्रमण में शैलेन्द्र सिंह राठौर ;तकनीकी सहायकद्ध एवं श्रीमती मीता सिंह तोमर ;तकनीकी सहायक का भी सहयोग रहा।

...ा एम.जी.एच. रोड जोधपुर से प्रकाशित।

29-1-2016

महिला कृषकों ने आफरी भ्रमण किया

जोधपुर। गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने कृषि अधिकारी सुभाषचंद्र विश्नोई एवं कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ आफरी का भ्रमण किया। आफरी निदेशक एनके वासु भावसे ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी शोध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तक संवर्धन तकनीक, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गई।

29/1/2016

Dr N K Bohra
PRO AFRI

गंगानगर की महिला कृषकों का आफरी भ्रमण

जोधपुर। जिला गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने कृषि अधिकारी श्री सुभाष चन्द्र विश्नोई एवं कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ बुधवार को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी जोधपुर का भ्रमण किया। आफरी निदेशक एन. के. वासु भावसे ने बताया कि, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी पौध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तक संवर्धन तकनीक, मृदा एवं जल की गुणवत्ता, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गयी। महिला कृषकों के इस दल को संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भी भ्रमण करवाया गया जहां श्री उमाराम चौधरी भा.व.से ने अवक्रमित पहाड़ियों के जल व मृदा संरक्षण से पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी इत्यादि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं विकसित तकनीकों से संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री की जानकारी दी।

महिला किसानों के इस समूह ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी हासिल की। पौधशाला प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ;अनुसंधान सहायक द्वितीय ने दल को औषधीय पौधों के जर्म-प्लाज्म सहित पौधशाला संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी। भ्रमण में श्री शैलेन्द्र सिंह राठौर ;तकनीकी सहायकद्ध एवं श्रीमती मीता सिंह तोमर ;तकनीकी सहायक का भी सहयोग रहा।

29-1-2016

Dr NK Bo...

महिला कृषकों ने आफरी भ्रमण किया

जोधपुर। गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने कृषि अधिकारी सुभाषचंद्र विश्नोई एवं कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी जोधपुर का भ्रमण किया। आफरी निदेशक एनके वासु भावसे ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी शोध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तक संवर्धन तकनीक, मृदा एवं जल गुणवत्ता, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गई। महिला किसानों के इस समूह ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी हासिल की।

29/1/16

महिला किसानों को दी पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी

जोधपुर. गंगानगर से आए 23 महिला किसानों के दल ने कृषि अधिकारी सुभाषचंद्र विश्नोई व कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। आफरी के निदेशक एनके वासु ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया। इस दौरान महिला किसानों ने संस्थान की उच्च तकनीकी पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी हासिल की। महिला किसानों के दल में कई कई सारी महिलाओं ने खेती और मौसम से संबंधी सवाल भी पूछे जिस पर कृषि पर्यवेक्षक ने जवाब भी दिए।

भास्कर

30/01/2016

गंगानगर की महिला कृषकों का आफरी...

जोधपुर, 28 जनवरी (कासं)। गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने कृषि अधिकारी सुभाषचंद्र विश्नोई एवं कृषि पर्यवेक्षक संदीप कुमार के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी का भ्रमण किया।

आफरी निदेशक एनके वासु ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभात के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी शोध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तम संवर्धन तकनीक, मृदा एवं जल की गुणवत्ता, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गयी। दल का संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन के... करवाया गया। जहां उन्हें अवक्रमित ... व मृदा संरक्षण से पुनर्वासन टिब्बा ... प्लावित भूमि का पुनर्वासन कृषि वा... संबंधित शोध गतिविधियों एवं विक... संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री की ... समूह के संस्थान की पौधशाला का ... की तकनीकी जानकारी हासिल की।

पौधशाला प्रभारी सादुलराम दे... औषधीय पौधों के जर्म प्लाज्म पौ... उपलब्ध करायी। भ्रमण में भी शैलेन्द्र... श्रीमती मीता सिंह तोमर तकनीक... सहयोग रहा।

29/1...

महिला कृषकों द्वारा आफरी का भ्रमण

जोधपुर। जिला गंगानगर से आये 45 महिला कृषकों के दल ने शुष्क वन अनुसंधान (आफरी) का भ्रमण किया।

आफरी निदेशक एन.के.वासु ने बताया कि कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने दल को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराकर वानिकी शोध गतिविधियों का अवलोकन करवाया। प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान महिला कृषकों को उत्तक संवर्धन तकनीक, मृदा एवं जल की गुणवत्ता, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी दी गई। महिला कृषकों के इस दल को संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भी भ्रमण करवाया गया जहां उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों के जल व मृदा संरक्षण से पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी इत्यादि से संबंधित शोध गतिविधियों एवं विकसित तकनीकों से संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री की जानकारी दी।

महिला किसानों के इस समूह ने संस्थान की उच्च तकनीकी पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन की तकनीकी जानकारी हासिल की। पौधशाला प्रभारी सादुलराम देवड़ा, अनुसंधान सहायक द्वितीय ने दल को औषधीय पौधों के जर्म-प्लाज्म सहित पौधशाला संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई। भ्रमण में श्री शैलेन्द्र सिंह राठौर (तकनीकी सहायक) एवं श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीकी सहायक का भी सहयोग रहा।

29-1-2016